Sahyadri Shikshan Sanstha's

Arts and Science College Sawarde

Tal. Chiplun Dist. Ratnagiri.415606
(Affiliated to University of Mumbai)

Programme Outcomes & Course Outcomes (Pos & Cos)

Department of Hindi

Course Outcomes

Sr no	Course	Course Outcomes
01	**B.A I** **(ऐच्छिक हिंदी)**	1. हिन्दी कहानी की प्रवृत्तियों,स्वरूप विवेचन और विकास क्रम से अवगत करना | 2. गद्य की आत्मकथा ,यात्रावृत्त ,संस्मरण, एकांकी ,व्यंग्य, रेखाचित्र , और लोक निबंध-कथा आदि विविध विधाओं से परिचित करना | 3. उपन्यास के स्वरूप –विवेचन तथा विशेषताओं से परिचित करना | 4. उपन्यास के तत्त्वों के आधार पर उपन्यास की समीक्षा करना |
02	**B.A II** **Paper II** **(मध्यकालीन हिन्दीसाहित्य)**	1. मध्यकालीन हिन्दी कविता विधा से परिचित करना 2. कबीर,सूरदास,तुलसीदस,रहीम,बिहारीआदि के दोहे,पद से अवगत करना | 3. आधुनिक हिन्दी कवियों की कविताओं से परिचित करना | 4. साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि होगी | 5. कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत होगी तथा रचनात्मक –कौशल को बढ़ावा मिलेगा | 6. राष्ट्र निर्माण हेतु नये सामाजिकसांस्कृतिक विचारों ,राजनीतिक, | बोध निर्वाह का विकास होगा-का प्रसार होगा और दायित्व
04	**B.A II** **Paper III** **प्रयोजनमूलक हिन्दी / जनसंचार माध्यम**	1. व्यावहारीक हिन्दी भाषा –दक्षता की प्रवीणता की प्राप्ति होगी | 2. विद्यार्थियों को व्यावसायिक रूप से आत्मनिर्भरता के योग्य बनाना | 3. विद्यार्थी जनसंचार माध्यमों में रोजगार के अवसर ,क्षेत्रों से अवगत होंगे | 4. विद्यार्थीयों को तकनीकी और व्यावहारीक भाषा दक्षता की प्रवीणता प्राप्ति होगी |
05	**B.A III** **Paper IV** **हिन्दी साहित्य का इतिहास**	1. हिन्दी साहित्य के प्राचीन ,मध्यकलीन और आधुनिक इतिहास की व्यापक जानकारी प्राप्त होगी | 2. हिन्दी साहित्य के इतिहास की प्रवृत्तियों ,विकासक्रम एवं परिवेश की जानकारी प्राप्त होगी | 3. हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं का व्यापक और क्रमबद्ध ज्ञान प्राप्त होगा |

06	**Paper V** **स्वातंत्र्योंत्तर हिन्दी साहित्य**	1. हिन्दी की आधुनिक कालीन गद्य –पद्य विधाओं की प्रसिद्ध ,प्रचलित रचनाओं एवं परिवेश का ज्ञान प्राप्त होगा | 2. साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि होगी | 3. कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत होगी तथा रचनात्मक –कौशल को बढ़ावा मिलेगा | 4. साहित्य के समकालीन परिवेश से जुड़ सकेंगे ,सामाजिक समस्याओं ,पक्षों से अवगत होते हुए समाधान की ओर बढ़ सकेंगे	
07	**Paper VI** **हिन्दी में सूचना प्रौद्योगिकी / सोशल मीडिया**	1. हिन्दी में सूचना प्रौद्योगिकी की प्रक्रिया से परिचित करना | 2. कंप्यूटर पर हिन्दी में कामकाज की प्रक्रिया से ज्ञात करना। 3. संचार माध्यमों में रोजगार के अवसरों से परिचित करना | 4. सोशल मीडिया का समाज पर पड़नेवाले प्रभाव से परिचित करना | 5. सोशल मीडिया और बदलते भारतीय परिवेश से ज्ञात करना | 6. सोशल मीडिया में हिन्दी के प्रसार और प्रयोग से परिचित करना | 7. सोशल मीडिया और कानून की जानकारी देना	